सावन के सोमवार की
शुभकामनाएं

सच्चाई के दम पर
जोश के साथ...

www.swarajindianews.com
swarajindia2023@gmail.com
RNI No: UPHIN/2023/86769
swarajindianews
swarajindianews

मूल्यः
₹02

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

कानपुर, सोमवार, 04 अगस्त, 2025
वर्षः 02, अंकः 207, पृष्ठः 8+4

इनसाइड महादेवा मेला परिसर में करंट लगने से दो की मौत... » Pg10

बागेश्वर धाम पर टिप्पणी करना पड़ा भारी... » Pg12

अखिलेश यादव ने लगाया बीजेपी सरकार पर महा भ्रष्टाचार का आरोप

भाजपा सरकार से अखिलेश यादव ने मांगा जवाब

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार जब बड़े-बड़े लोगों की 'सुपर वीवीआईपी' रैली या सभा का आयोजन कर सकती है तो बाढ़ में राहत-बचाव का काम क्यों नही कर रही है? उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार एक भ्रष्ट और नाकाम सरकार साबित हुई है। इन दिनों बारिश के कारण लगातार गिर रही पानी और प्रयागराज सहित अन्य प्रभावित जगहों पर लोगों को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस मुद्दे पर सपा अध्यक्ष ने बाकायदा पोस्ट लिखकर सरकार को घेरने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि केवल प्रयागराज ही नहीं बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश में बाढ़ की वजह से भयावह स्थिति है और जिसकी वजह से भोजन और पीने के पानी की किल्लत चरम पर है। इसके

अलावा शौचालय की समस्या की वजह से लोग अशोभनीय-अमानवीय हालातों में रहने पर मजबूर हैं।

अखिलेश यादव ने लगातार हो रही बारिश के कारण उपजे समस्याओं पर लिखते हुए कहा कि बीमार बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को दवा-इलाज नहीं मिल पा रहा है और स्वास्थ्य-चिकित्सा सेवाएं ठप्प पड़ी हैं। उन्होंने आगे लिखा कि चूहों और अन्य विषैले जीव-जंतुओं का डर लोगों को सोने नहीं दे रहा है। साथ ही बिजली की समस्या और करंट का डर अलग से है। ऐसा लगता है कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इस बार सरकार को घेरने के लिए पूरी तरह से कमर कस ली है। अत्यधिक बारिश के कारण जलजमाव सहित अन्य कई सारी दिक्कतों को हमेशा से देखा जाता रहा है। इसका मुख्य कारण पूर्व समय पर उचित प्रबंधन और रोड मैप की तैयारी में अभाव होता है। बता दें कि सोमवार को यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने एक्स पर बीजेपी सरकार को भ्रष्टाचारी बताते हुए व आरोप मढ़ते हुए पोस्ट लिखा।

बीमारियों की आशंका

बाढ़जन्य बीमारियों की आशंका से लोग ग्रसित हैं। कहा जाता है बाढ़ सिर्फ कीचड़, कचरा, मलबा और दुर्गंध ही नहीं बल्कि कई तरह की बीमारी-महामारी को भी छोड़कर जाती है। उन्होंने लिखा कि जो लोग दैनिक कमाई पर जीवनयापन करते हैं वो काम पर नहीं जा पा रहे हैं। गरीब-मजदूर भूखमरी की कगार पर आ गये हैं।

प्रयागराज की स्थिति देख सरकार पर जमकर बरसे

पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने अपने एक्स हैंडल पर यूपी की भाजपा सरकार पर गम्भीर आरोप लगाया। इसके लिए उन्होंने एक हिन्दी दैनिक समाचार पत्र के ख़बर की कटिंग का स्क्रीनशॉट भी पोस्ट किया। स्टोरी की स्क्रीनशॉट साझा करते हुए अखिलेश यादव ने लिखा, 'भाजपा का कुकर्म, धर्म में भी अधर्म!'उन्होंने लिखा कि महाकुंभ के दरमियान प्रयागराज में हजारों करोड़ों की लागत से बनी सड़कों का हाल देखा जा सकता है, जिसमें भाजपाई भ्रष्टाचार का कमाल देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि दरअसल इस भाजपाई महा भ्रष्टाचार की बंदरबांट को समझने के लिए विशेष 'भाजपाई करप्शन क्रोनोलॉजी' बीसीसी समझनी होगी।' सपा अध्यक्ष ने बीसीसी क्रोनालॉजी का जुमला उछालते हुए कहा कि पहले महा कमीशन लेकर 'प्रधान ठेका' दिया जाता है, फिर उसमें बड़ा कमीशन लेकर 'मुख्य ठेका' दिया जाता है। इसके बाद मोटा कमीशन लेकर 'उप ठेका' दिया जाता है। उन्होंने लिखा कि इन सबके बाद भाजपाई सांसद जी का कमीशन का खेला चलता है और उसके बाद विधायक का चलता है।

सुन ली गुहार सीएम नीतीश कुमार का बड़ा एलान, तीन दिन पहले ही सड़क पर उतरे थे अभ्यर्थी

बिहार के रहने वालों को शिक्षक भर्ती परीक्षा में प्राथमिकता

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

पटना। तीन दिन पहले ही पटना में शिक्षक अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया था। छात्र नेता दिलीप समेत सैकड़ों अभ्यर्थियों ने सीएम नीतीश कुमार ने बिहार में डोमिसाइल नीति लागू करने की मांग की थी। सीएम नीतीश कुमार ने उनकी गुहार सुन ली और यह बड़ी घोषणा कर दी है।

चुनाव से पहले सीएम नीतीश कुमार ने अब शिक्षक अभ्यर्थियों को बड़ी सौगात दी है। वह जिस चीज की मांग पिछले कई महीनों से कर रहे थे, उसे सीएम नीतीश

कुमार ने सुन लिया है। उन्होंने बुधवार को इसका एलान कर दिया है। सोशल मीडिया पर सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि नवम्बर 2005 में सरकार बनने के बाद से ही हम लोग शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार काम कर रहे हैं। शिक्षा व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण हेतु बड़ी संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति की गई है।

सीएम नीतीश ने कहा कि शिक्षकों की बहाली में बिहार के निवासियों को प्राथमिकता देने हेतु शिक्षा विभाग को संबंधित नियम में आवश्यक संशोधन करने का निर्देश दिया गया है। यह चौथे शिक्षक भर्ती परीक्षा से ही लागू किया जाएगा। वर्ष 2025 में टीआरई-4 एवं वर्ष 2026 में टीआरई-5 का आयोजन किया जाएगा। टीआरई-5 के आयोजन के पूर्व एलटीईटी का आयोजन करने का भी निर्देश दिया गया है।

तीन दिन पहले ही सड़क पर उतरे थे अभ्यर्थी

शिक्षक भर्ती परीक्षा डोमिसाइल नीति लागू करने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों ने एक अगस्त को पैदल मार्च किया था। सभी अभ्यर्थी मुख्यमंत्री आवास का घेराव करना चाहते रहे थे। छात्र नेता दिलीप कुमार के नेतृत्व में सैकड़ों छात्रों हाथों में तिरंगा लेकर सीएम हाउस जाने के लिए निकले थे। लेकिन, जेपी गोलंबर के पास पटना पुलिस ने उन्हें रोक लिया गया। अभ्यर्थी आगे न जा पाए इसके लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी है। अभ्यर्थी बिहार सरकार के विरोध में नारेबाजी की थी। वह बिहार सरकार से डोमिसाइल नीति लागू करने की मांग कर रहे थे।

आवारा कुत्तों पर नियंत्रण के लिए फुल कैपेसिटी पर चल रहे एबीसी सेन्टर्स

» मानव और पशु के बीच संतुलन की दिशा में ऐतिहासिक कदम

» कुत्तों की आबादी नियंत्रण के लिए कानपुर नगर निगम की बड़ी पहल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर नगर निगम ने शहरी सीमा में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या और उससे उपजे मानव-श्वान संघर्ष को नियंत्रित करने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। निगम द्वारा फूलबाग और किशनपुर स्थित दो एबीसी (Animal Birth Control) सेन्टर्स को अब पूर्ण क्षमता के साथ संचालित किया जा रहा है। यह कदम न केवल शहरवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है, बल्कि पशु कल्याण की दिशा में भी एक मानवीय पहल है। मेयर प्रमिला पांडेय ने नगर आयुक्त सुधीर कुमार के साथ एबीसी सेंटरों का निरीक्षण किया और यहां पर चल रहे प्रोजेक्टस पर अधिक ध्यान दिए जाने के निर्देश दिए।

नगर निगम के मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आरके निरंजन ने बताया कि सीएण्डडीएस संस्था के सहयोग से संचालित किशनपुर सेन्टर उत्तर प्रदेश का पहला ऐसा एबीसी सेन्टर है, जो तीन माह पहले ही पूर्ण क्षमता पर संचालन प्रारंभ कर चुका है। यह उपलब्धि अन्य नगर निगमों के लिए एक आदर्श उदाहरण बन चुकी है।

1.45 लाख आवारा कुत्तों पर नियंत्रण की रणनीति

नगर निगम की सीमा में अनुमानित 1.45 लाख आवारा कुत्ते हैं। इनके बधियाकरण और टीकाकरण के लिए निगम ने 5 डॉग कैचिंग वाहन व 15 प्रशिक्षित कर्मचारियों की टीम तैनात की है।वहीं, एबीसी सेन्टर्स में 3 विशेषज्ञ पशु चिकित्सक और 2 अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर कार्यरत हैं। इनमें प्रतिदिन औसतन 60 सर्जरी और प्रतिमाह 1800 से अधिक बधियाकरण सर्जरी की जाती हैं — जो पहले 1200 थी।बधियाकरण के साथ सभी आवारा श्वानों का रैबीज टीकाकरण भी किया जा रहा है। साथ ही, नगर निगम द्वारा फ्री हेल्थ चेकअप एवं टीकाकरण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि पालतू श्वानों का पंजीकरण और टीकाकरण भी सुनिश्चित किया जा सके।

नियमों का उल्लंघन करने वालों पर अर्थदंड का प्रावधान भी लागू है, जिससे लोगों को नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित किया जा रहा है।

शिकायतों का त्वरित निस्तारण व व्यवहार परीक्षण

आईजीआरएस, डीसीसीसी और कंट्रोल रूम जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का त्वरित निस्तारण एबीसी सेन्टर्स द्वारा किया जाता है। आक्रामक श्वानों को चिन्हित कर उनके व्यवहार का परीक्षण किया जाता है। उपचार व सर्जरी के पश्चात इन्हें मूल स्थान पर वापस छोड़ा जाता है, जिससे श्वानों के व्यवहार में मानवीय परिवर्तन आता है।

कुल मिलाकर यह पहल न केवल पशु कल्याण बल्कि शहरी जीवन की गुणवत्ता को भी बेहतर बना रही है। नगर निगम का यह कदम कानपुर को एक जिम्मेदार और संवेदनशील शहर के रूप में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहा है।

कानपुर में दो युवतियों का समलैंगिक रिश्ता उजागर, विरोध के बाद हुईं फरार

» पांच साल से परवान चढ़ रहा था रिश्ता, बंद कमरे में पकड़ी गईं युवतियां

» दोनों परिवारों ने लगाया मिलने पर प्रतिबंध, परिजनों की सख्ती के बाद घर छोड़ भागीं

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में जाजमऊ से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां दो युवतियों के बीच समलैंगिक रिश्ते का खुलासा हुआ। मामला तब बिगड़ा जब परिवार वालों ने दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में रंगेहाथों पकड़ लिया। इसके बाद जब दोनों पर पाबंदी लगाई गई, तो वे घर से फरार हो गईं।

जाजमऊ की रहने वाली एक महिला ने बताया कि उसकी 19 वर्षीय बहन बचपन से ही उनके साथ रह रही थी। उसका रेलबाजार निवासी टेनरी में काम करने वाली मौसी की ननद से पिछले पांच वर्षों से नज़दीकी रिश्ता था। दोनों घंटों एक-दूसरे से मिलतीं और मोबाइल से संपर्क में रहती थीं।करीब पंद्रह दिन पहले दोनों को संदिग्ध हालत में पकड़े जाने के बाद दोनों परिवारों ने सख्ती शुरू कर दी। फोन और मुलाकातों पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी गई। इसी दबाव के बीच शुक्रवार को युवती घर से बिना बताए गायब हो गई। जब उसकी खोजबीन शुरू हुई तो सामने आया कि उसकी साथी युवती भी लापता है। स्वजन की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। जाजमऊ थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह के मुताबिक, अपहरण का मुकदमा दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज की मदद से दोनों की तलाश की जा रही है।

पीडब्ल्यूडी की नाकामी से बदनाम हो रहा कानपुर नगर निगम

» कानपुर शहर में जीटी रोड सहित कई सडकें पीब्ल्यूडी के अधीन

» सडकों पर गडढे देखकर नगर निगम को गाली देते हैं राहगीर

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। पीडब्ल्यूडी की नाकामी और बेपरवाही का खामियाजा शहर के लोगों को भुगतना पड रहा है। दरअसल कानपुर नगर निगम क्षेत्र में पीडब्ल्यूडी की कई सडकें हैं। इनका निर्माण और देखरेख पीडब्ल्यूडी ही करता है। शहर के बीचो बीच से होकर गुजरी जीटी रोड गोल चौराहा से लेकर आईआईटी के आगे तक बदहाल काफी समय से है। इसमें बडे बडे गडढे लोगों को मौत के मुंह में धकेल रहे हैं और शहरवासी गाली नगर निगम को दे रहे हैं। जब कि यह सडक पीडब्ल्यूडी एनएच डिवीजन के अधीन होने के बाद भी लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इस मामले में नगर निगम चीफ इंजीनियर जैदी ने कहा कि शहर में पीडब्ल्यूडी की सडकों की मरम्मत के लिए पत्र भेजा गया है। उनकी वजह से नगर निगम की छवि धूमिल हो रही है।

पीडब्ल्यूडी एनएच डिविजन के अधीन जीटी रोड का बुरा हाल

दक्षिण कानपुर में बीच सड़क पर रोप दिया धान...

» लोग सालों से कर रहे रोड बनाने की मांग, विरोध का तरीका देख हर कोई हैरान

» पीडब्ल्यूडी की सड़कें उखड़ीं और गड्ढों में भरा पानी, मुश्किल में जिंदगानी

कानपुर। सड़कों का गड्ढा मुक्त अभियान सिर्फ आदेशों और कागजातों में देखने को मिल रहा है। हालात यह है कि कानपुर नगर की कई सड़कों की हालत खस्ता है। इन सड़कों पर पैदल चलना भी दूभर हो गया है। आए दिन लोग हादसे का शिकार हो रहे हैं। उधर सबकुछ जानने के बाद भी लोक निर्माण विभाग के जिम्मेदार और जनप्रतिनिधि हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं। बर्रा 8 बसंत पेट्रोल पंप से कटियार मेडिकल स्टोर जरौली फेस 2 नियर आनंद साउथ सिटी तक सड़क अत्यंत ही जर्जर एवं गड्ढायुक्त है। गड्ढे इतने विशालकाय हैं कि आए दिन इनमें ऑटो, रिक्शा एवं अन्य छोटे वाहन पलट जाते हैं और बड़ी गाड़ियों के अक्सर पहिये धंस जाते हैं और बड़े हादसे को दावत देते हैं। रविवार को समाजवादी युवजन सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष अर्पित यादव के नेतृत्व में खराब सड़क के खिलाफ लोगों ने अनोखा प्रदर्शन किया। उन्होंने सड़क पर धान के पौधे लगाए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। स्थानीय लोगों का कहना है कि वे सालों से सड़क बनाने की मांग कर रहे हैं लेकिन उनकी बात अनसुनी कर दी जाती है, सड़क इतनी जर्जर है कि ऐसा प्रतीत होता है जैसे हम किसी पहाड़ी एरिया में भ्रमण कर रहे हो। उन्होंने सड़क को ठीक करने के लिए कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से गुहार लगाई लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। सड़क की हालत इतनी खराब है कि कई लोग दुर्घटना के शिकार हो जाते हैं। बच्चों को स्कूल जाने में सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है क्योंकि इस राजमार्ग पर दो दर्जन से अधिक स्कूल स्थित हैं। अर्पित यादव ने कहा कि यह सड़क लम्बे समय से टूटी हुई है पूरी सड़क गड्ढों में तब्दील हो गई है। आए दिन लोग दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं अगर उनकी बात नहीं सुनी गई तो वे और भी बड़ा प्रदर्शन करेंगे। इस दौरान शेखर सिंह, छोटे यादव, सतेंद्र सिंह, करन यादव, पुष्पेंद्र सिंह, मानू, अमन यादव, पवन, शुभम शुभी, अभिनव भट्ट, उत्कर्ष, रोहित, सिद्धार्थ, मनोज कुमार, बब्लू आदि सैकडों लोग मौजूद रहे।

नगर निगम में मांगों को लेकर पार्षदों ने किया धरना प्रदर्शन

» नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर चंद्रशेखर सिंह के खिलाफ नाराजगी जताई

» मेयर प्रमिला पांडेय ने जोन से डॉ चंद्र शेखर को हटाने का किया ऐलान, इसके बाद धरना समाप्त

मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।नगर निगम मुख्यालय मोतीझील में सोमवार को पार्षदों ने जोरदार धरना प्रदर्शन किया। पार्षद विकास साहू ने आरोप लगाया कि नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चंद्रशेखर सिंह लगातार मनमानी कर रहे हैं, जबकि उन्हें हटाने का प्रस्ताव पहले ही नगर निगम सदन से पारित हो चुका है। बावजूद इसके कार्रवाई नहीं हो रही है। वही शाम करीब 4:00 बजे मेयर प्रमिला पांडे ने मौके पर पहुंचकर धरना समाप्त करा दिया। वहीं, इस दौरान धरने में पार्षद दल के नेता नवीन पंडित, धीरेंद्र त्रिपाठी धीरू, नीरज मिश्रा, शुभम वर्मा, सौरभ देव, आकर्ष बाजपेई, आदर्श गुप्ता, अभिनव शुक्ला गोलू, अर्पित यादव, अमित गुप्ता, नीरज रक्सेल, राजकिशोर यादव, मनीष मिश्रा, अखिलेश बाजपेई, नीरज चड्ढा समेत कई महिला पदाधिकारी और बीजेपी पार्षद शामिल रहे।

धरना प्रदर्शन के दौरान उमस भरी गर्मी से पार्षद बेहाल नजर आए। इस दौरान हाथ से कागज की तख्तियां लेकर पंखा डोलते भी नजर आए।

मुकदमे के बाद जगह-जगह लगाईं पीडीए पाठशालाएं

सपा नेत्री पर कार्रवाई के विरोध में फूटा शिक्षा प्रेम

बाबा साहब की प्रतिमा के पास आयोजित की पीडीए पाठशाला। हिलालपुर गांव में बच्चों पढ़ातीं सपा नेत्री रचना सिंह गौतम।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। शिक्षा के मुद्दे पर समाजवादी पार्टी अब सरकार से सीधी टक्कर लेने के मूड में है। बीते दिनों सपा नेत्री रचना सिंह गौतम के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ, लेकिन पार्टी ने पीछे हटने के बजाय और आक्रामक रुख अपनाया। रविवार को बिल्हौर क्षेत्र के कई गांवों में और तेजी से पीडीए पाठशालाएं आयोजित की गईं। मालूम हो कि खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) रवि कुमार सिंह की ओर से दी गई शिकायत पर अरौल थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। जिस पर पुलिस मामले की जाँच कर रही है। शिकायत में आरोप लगाया गया कि शाहमपुर गढ़ी प्राथमिक विद्यालय के बाहर अवैध रूप से पीडीए पाठशाला चलाई जा रही थी, जबकि इस प्रकार की शिक्षा व्यवस्था की कोई सरकारी मान्यता नहीं है। साथ ही आरोप है कि पाठशाला संचालकों द्वारा यह अफवाह भी फैलाई गई कि स्कूल बंद है। सरकारी स्कूल परिसर के समीप बिना अनुमति किसी निजी गतिविधि को चलाया जाना नियम विरुद्ध माना गया है। समाजवादी नेताओं का कहना है कि यह आंदोलन अब रुकने वाला नहीं है। जब तक सरकार मुकदमा वापस नहीं लेती और बंद पड़े विद्यालयों को सक्रिय नहीं करती है, तब तक गरीब बच्चों के लिए यह वैकल्पिक शिक्षा अभियान जारी रहेगा।

दो जगह लगी पीडीए पाठशाला

बिल्हौर। रविवार को समाजवादी कार्यकर्ताओं ने दो स्थानों पर पाठशालाएं लगा विरोध दर्ज कराया। पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रचना सिंह ने हिलालपुर गांव में पीडीए पाठशाला चलाकर सरकार पर सीधा हमला बोला।

वहीं, ककवन क्षेत्र के लोधनपुरवा गांव में ककवन जिला पंचायत सदस्य पद के दावेदार शशिकांत पाल के नेतृत्व में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के पास बच्चों को पढ़ाया गया।

जंगलेश्वर मंदिर के पास देर रात दर्दनाक हादसा

ट्रक ने कांवड़ियों को रौंदा एक की मौत, दो गंभीर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। रविवार देर रात कानपुर-अलीगढ़ हाईवे पर जंगलेश्वर मंदिर के पास एक तेज़ रफ्तार ट्रक ने तीन कांवड़ियों को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। जानकारी के अनुसार कन्नौज जिले के छिबरामऊ थाना क्षेत्र के भुलभुलियापुर गांव निवासी विपिन कुमार, प्रदीप कुमार और नन्हे उर्फ विनय रविवार की शाम कांवड़ लेकर शिवराजपुर में सरेया घाट पर स्नान करके खरेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक के लिए निकले थे। रात करीब 1:30 बजे जब तीनों जंगलेश्वर मंदिर के पास दुर्गा ढाबा के पास पीछे से पैदल आ रहे थे, तभी ट्रक ने रौंद दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाया। विपिन और विनय को कन्नौज जिला अस्पताल भेजा गया, जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने विपिन को मृत घोषित कर दिया। वहीं विनय की हालत गंभीर होने पर उसे कानपुर हैलट रेफर किया गया। प्रदीप को बिल्हौर सीएचसी से प्राथमिक उपचार के बाद हैलट रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए ट्रक को कब्जे में ले लिया है। फरार ट्रक चालक की तलाश की जा रही है।

परिजनों से घटना की जानकारी लेती पुलिस।

रिक्शा चालक के साथ हुई ऑनलाइन ठगी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर कस्बे के एक रिक्शा चालक सोशल मीडिया पर ठगी का शिकार बना गई। इंस्टाग्राम पर ब्रिटिश शॉर्ट हेयर नस्ल की एक विदेशी बिल्ली का विज्ञापन देख रिक्शा चालक शाकिब ने संपर्क किया। आरोपी ने एक व्हाट्सएप नंबर दिया। वहां बिल्ली की तस्वीरें भेजी गईं, नाम-पता पूछा गया और कहा गया कि पेमेंट कर दीजिए, डिलीवरी हो जाएगी। साकिब ने 1450 रुपये गूगल पे से भेज दिए। उसके बाद न कोई बिल्ली आई, न कॉल आया। अब आरोपी ने उसे व्हाट्सएप पर ब्लॉक कर दिया है और इंस्टाग्राम पेज भी गायब हो चुका है। पीड़ित रिक्शा चालक ने पुलिस में शिकायत की है।

पीड़ित शाकिब

विरोध

स्व. शिक्षिका सीमा गौर के परिजनों द्वारा दान की गई एलईडी बीआरसी मंगवा ली गई थी

किरकिरी होने के बाद बीईओ ने लौटाई स्कूल को दान में मिली एलईडी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। ककवन के प्राथमिक विद्यालय उत्तमपुर को मिला एक स्मृति चिह्न उस समय विवाद का कारण बन गया जब खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) कमलेश कुमार गुप्ता ने स्वर्गीय शिक्षिका सीमा गौर के परिजनों द्वारा विद्यालय को दान में दी गई एलईडी टीवी को बीआरसी केंद्र मंगवा लिया। स्व. सीमा गौर के परिजनों ने विद्यालय में बच्चों के उपयोग और शिक्षिका की स्मृति को संजोने के लिए एलईडी टीवी, एक बड़ी अलमारी और कुर्सियां भेंट की थीं। यह दान टीएससीटी की पहल पर किया गया था, जिसकी पूरे क्षेत्र में सराहना हुई थी। लेकिन एक दो दिन बाद ही एलईडी टीवी पर बीईओ की नीयत डोल गई और एलईडी को स्कूल से उठवाकर बीआरसी केंद्र मंगवा लिया गया।

बीआरसी से जब यह खबर बाहर आई तो सोशल मीडिया पर हलचल मच गई। मामला अखबार और सोशल मीडिया में खूब उठा। लोगों ने बीईओ की मंशा पर सवाल उठाए। लगातार खबरें चलने के बाद बीईओ की तरफसे सफाई दी गई कि टीवी को सिर्फ कुछ दिन के प्रशिक्षण कार्य हेतु मंगवाया गया था और इसे वापस लौटा दिया जाएगा। लेकिन यह सवाल अब भी बना हुआ है कि जब बीआरसी में पहले से ही एक एलईडी उपलब्ध थी, तो फिर स्मृति चिह्न को उठवाने की क्या आवश्यकता थी?

बीईओ की इस कार्यशैली को लेकर शिक्षकों और समाज में तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। बीआरसी सूत्रों के मुताबिक, बीईओ की जब किरकिरी होने लगी तो उन्होंने चुपचाप एलईडी टीवी को पैक करवाकर स्कूल भिजवा दिया।

सम्पादकीय

जनभागीदारी से संरक्षित होगी आर्थिक संप्रभुता

ट्रंप की टैरिफ दादागीरी और तमाम देशों के आर्थिक संरक्षणवाद से भारत के लिए उभरी आर्थिक चुनौतियों के बीच स्वदेशी का मंत्र ही एक कारगर विकल्प सिद्ध हो सकता है। वाराणसी में अपने लोकसभा क्षेत्र से एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया है कि संकल्प लें कि हम अपने घर स्वदेशी सामान ही लाएंगे। उल्लेखनीय है कि कोरोना संकट के दौरान जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला डगमगाई थी, तब भी प्रधानमंत्री ने देश में स्वदेशी आंदोलन का आह्वान किया था। निस्संदेह, इस दिशा में कुछ प्रगति हुई है, लेकिन हकीकत है कि अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं हुए। आज के ऐसे दौर में जब दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं घोर संरक्षणवाद का सहारा ले रही हैं, भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को स्वदेशी के संकल्प से ही संरक्षण देना होगा।

ये कदम मौजूदा आर्थिक परिदृश्य में अपरिहार्य हैं क्योंकि दुनिया के तमाम देश अपने-अपने आर्थिक हितों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर अन्यायपूर्ण ढंग से लगाया गया 25 फीसदी का टैरिफ इस कड़ी का ही विस्तार है। ऐसे वक्त में जब भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तो हमें घरेलू अर्थव्यवस्था का स्वास्थ्य सुधारने को अपनी प्राथमिकता बनाना ही होगा। यदि हमारी अर्थव्यवस्था आत्मनिर्भर होगी तो फिर कोई वैश्विक नेता दबाव बनाकर हमारी विदेश व आर्थिक नीतियों को प्रभावित न कर सकेगा। विडंबना यह है कि चीन के लगातार शत्रुतापूर्ण व्यवहार व सीमा पर तनाव के बावजूद चीनी उत्पादों का आयात बढ़ता ही जा रहा है। यहां तक कि हमारे त्योहारों का सामान भी चीन से बनकर आ रहा है।इसमें दो राय नहीं कि स्वदेशी का संकल्प देश की वर्तमान जरूरत है, लेकिन देश के उद्यमियों को भी सुनिश्चित करना होगा कि स्वदेशी वस्तुओं का विकल्प गुणवत्तापूर्ण हो। आज के उपभोक्तावादी युग में लोग गुणवत्ता से समझौता करने को तैयार नहीं होते। उद्यमियों को सोचना होगा कि कैसे चीन के उद्यमी कम लागत में गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध करा रहे हैं। सरकार को भी उद्योग व व्यापार जगत पर नौकरशाही के शिकंजे को कम करना होगा। उत्पादन क्षेत्र को हमें उस स्तर तक ले जाने के लिये अनुकूल वातावरण तैयार करना होगा, जहां गुणवत्तापूर्ण सस्ते उत्पाद तैयार किए जा सकें। जरूरत इस बात की भी है कि हम अपने विशाल असंगठित क्षेत्र को संगठित क्षेत्र में शामिल करने के लिये प्रयास करें। हम याद रखें कि चीन ने अपने देश में लघु उद्योगों को संगठित करके ही दुनिया में उत्पादन के क्षेत्र में बादशाहत हासिल की है। विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाले देश भारत को अपनी युवा आबादी की क्षमता का उपयोग करने के लिये इस दिशा में बड़ी पहल करनी होगी। हमारा शिक्षा का ढांचा इस तरह तैयार हो कि हम कौशल विकास को अपनी प्राथमिकता बनाएं। जिससे हम कालांतर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक का उपयोग उत्पादन बढ़ाने के लिये कर सकें। तब स्वदेशी के संकल्प से भारत न केवल आत्मनिर्भर होगा, बल्कि हम गुणवत्तापूर्ण निर्यात के जरिये अपने दुर्लभ विदेशी मुद्रा भंडार को भी समृद्ध कर सकेंगे।

शांति और दमन के बीच अमेरिकी राजनीति

सुधाकर शर्मा

शांति स्थापित करने में सक्षम शक्तियां एक साथ युद्ध में ईंधन और पानी दोनों डालने की राजनीति कर रही हैं। इस प्रकार, निकट भविष्य में स्थायी शांति आम फलस्तीनियों के लिए एक भ्रम ही है, हालांकि 'आशा के विरुद्ध आशा' रखने से आशा जीवित रहती है।इस्राइल और फलस्तीन के बीच लगभग दो वर्षों से जारी युद्ध का अंत फिलहाल नजर नहीं आ रहा है। यह संघर्ष हमास द्वारा 7 अक्तूबर, 2023 को किए गए बर्बर हमले के जवाब में शुरू हुआ था, जिसमें 1,200 लोग मारे गए और 251 इस्राइली बंधक बनाए गए थे। इसके बाद गाज़ा में अब तक 70,000 से अधिक फलस्तीनी मारे जा चुके हैं, पर न तो बंधक रिहा हुए हैं और न ही युद्ध रुका है।

अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय और इस्राइली मानवाधिकार संगठनों ने इसे 'नरसंहार' बताया है और युद्धविराम की मांग की है। वहीं, अमेरिका एक ओर शांति वार्ता की बात करता है, दूसरी ओर इस्राइल को हथियार भी उपलब्ध करा रहा है।कहा जा रहा है कि हमास शांति वार्ता प्रस्ताव पर विचार करने को तैयार है, लेकिन इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निमंत्रण पर तीसरी बार अमेरिका जाकर भी बिना किसी युद्धविराम समझौते के लौट आए। गौरतलब है कि इस दौरे के दौरान ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया गया, लेकिन गाज़ा में युद्ध रोकने की दिशा में कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ।वास्तविकता यह है कि जहां ट्रम्प बार-बार शांति का आह्वान कर रहे हैं, वहीं नेतन्याहू खुलेआम अपनी शक्ति का प्रदर्शन यह कहकर कर रहे हैं कि इस्राइल केवल अपनी शर्तों पर ही शांति स्थापित करेगा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार रिपोर्ट के अनुसार, इस्राइली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने शांति वार्ता के दौरान गाज़ा स्थित एक खाद्य सहायता केंद्र से भोजन लेने गए सैकड़ों लोगों की हत्या कर दी है। दरअसल, इस्राइली प्रधानमंत्री और उनकी दक्षिणपंथी (राइट विंग) विचारधारा की सरकार का एजेंडा इस क्षेत्र पर यहूदियों पर पूर्ण नियंत्रण का है। इसके अलावा, नेतन्याहू के लिए युद्ध, उनके ख़िलाफ़ चल रहे भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर इस्राइल में चल रहे अदालती मुक़दमे और चुनावों को टालने का एक हथियार है।अमेरिका के नेतृत्व वाली पश्चिमी सरकारें गाज़ा में इस्राइली युद्ध को 'वैध आत्मरक्षा' बताकर और उसे युद्ध के हथियार मुहैया कराकर उसका समर्थन कर रही हैं। वे नेतन्याहू के नेतृत्व वाली दक्षिणपंथी इस्राइली सरकार की युद्ध संबंधी कार्रवाइयों के विरुद्ध वैश्विक विरोध प्रदर्शनों को 'यहूदी-विरोधी' कहकर यहूदी धर्म को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं।

कहानी का दूसरा पहलू यह है कि गाज़ा में आईडीएफ सैनिक नियमित रूप से 'अरबों को मौत दो' और 'उनके गांव जला दो' जैसे नारे लगाते हैं ।

वैज्ञानिक ढंग से हो श्रद्धालुओं की भीड़ का प्रबंधन

पर्यटन तीर्थस्थलों में हादसे

सुरेश सेठी

देश के तीर्थस्थलों व मेलों में हादसों का सिलसिला निरंतर जारी है। निस्संदेह, ऐसे हादसे अफवाह व संकरे आवागमन मार्गों के चलते होते हैं। बढ़ती भीड़ के मद्देनजर प्रबंधन वैज्ञानिक तरीके से होना चाहिए।?साथ?ही अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए।पर्यटन क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख स्रोत और रोजगारपरक क्षेत्र है। देश को तीन प्रकार के पर्यटन से आय प्राप्त होती है। विदेशी पर्यटकों के आगमन से देश को विदेशी मुद्रा मिलती है और अनेक लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होते हैं। इस प्रायद्वीपीय और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर देश में तीन प्रमुख प्रकार के पर्यटन प्रचलित हैं। पहला, रमणीय पर्यटन, जिसमें पर्यटक दर्शनीय स्थलों का आनंद लेने आते हैं। दूसरा, चिकित्सीय (मेडिकल) पर्यटन, जिसमें विदेशी रोगी भारत में बेहतर और सस्ती चिकित्सा सुविधाओं के कारण आते हैं। तीसरा, धार्मिक पर्यटन है। धार्मिक आस्था से ओतप्रोत इस देश में श्रद्धालुओं की धर्मस्थानों पर निरंतर भीड़ रहती है। विशेषकर सावन जैसे पवित्र महीनों में धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है, जिससे यह पर्यटन और भी सक्रिय हो जाता है।धार्मिक श्रद्धालुओं का जमावड़ा कभी कम नहीं होता। कई बार भगदड़ जैसी घटनाओं में हृदयविदारक समाचार मिलते हैं, फिर भी पहले से भी अधिक भीड़ जुट जाती है। किसी भी प्रकार की दुर्घटना श्रद्धालुओं के उत्साह को कम नहीं कर पाती। लोग आस्था के समर्पण में इतने लीन रहते हैं कि यह देख कर आश्चर्य होता है कि देश धर्मस्थलों के प्रति कितना समर्पित है। सनातन धर्म में यह विश्वास है कि मंदिरों में साक्षात परमात्मा साकार रूप में विराजमान होते हैं। यही विश्वास करोड़ों श्रद्धालुओं को धर्मस्थलों की ओर आकर्षित करता है।लेकिन आस्था को समर्पित इस देश में, विशेषकर सावन के पावन महीने में, हाल ही में लगातार जो दुर्घटनाएं हुईं, उनमें कई लोगों ने अपनी जान गंवाई और अनेक गंभीर रूप से घायल हुए। जब इन घटनाओं के कारणों की पड़ताल की जाती है, तो या तो बेबुनियाद अफवाहें सामने आती हैं, या फिर प्रशासनिक लापरवाही उजागर होती है। कभी-कभी श्रद्धालुओं की जल्दबाज़ी और पहले दर्शन की होड़ में की गई धक्का-मुक्की भी भगदड़ का कारण बन जाती है। ऐसी भगदड़ों में लोगों के कष्टों का कोई अंत नहीं होता — जानें जाती हैं, लोग घायल होते हैं, परिवार उजड़ते हैं।बीते 27 जुलाई को उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर में मची भगदड़ में कुछ श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 36 श्रद्धालु घायल हो गए। बताया गया कि सीढ़ियां चढ़ते समय एक खंभे से जुड़े शॉर्ट सर्किट की अफवाह फैली, जिससे लोग घबरा गए और हड़बड़ी में पीछे हटने लगे।ये घटनाएं यहीं खत्म नहीं होतीं। गत 28 जुलाई को उत्तर प्रदेश के बाराबंकी स्थित अवसानेश्वर मंदिर में भी भगदड़ की एक और दुखद घटना घटी। जलाभिषेक के दौरान करंट फैलने से दो लोगों की मौत हो गई और 29 श्रद्धालु घायल हो गए।

घटना के तुरंत बाद मंदिर की बिजली काटनी पड़ी, जिससे गर्भगृह में अंधेरा छा गया। इसके बावजूद श्रद्धालु अंधेरे में ही दर्शन और जलाभिषेक करते रहे। इसी दौरान, एक मंत्री के मंदिर में पुष्पवर्षा करने की खबर फैल गई, और देखते ही देखते वहां तीन लाख से अधिक लोग जुट गए। अत्यधिक भीड़ के कारण भगदड़ मच गई।

रामगढ़ का टूटी झरना शिव मंदिर, जहां मां गंगा स्वयं करती हैं शिवलिंग का जलाभिषेक

झारखंड के रामगढ़ जिले में एक चमत्कारिक मंदिर स्थित है, जिसे लोग श्रद्धा से टूटी झरना शिव मंदिर के नाम से जानते हैं। यह मंदिर अपने आप में एक ऐसा अलौकिक स्थल है, जहां भगवान शिव के शिवलिंग पर स्वयं मां गंगा जलाभिषेक करती हैं। यह अद्भुत दृश्य साल के 12 महीने और दिन-रात 24 घंटे बिना रुके चलता रहता है।

अद्भुत आस्था का केंद्र झारखंड का रामगढ़

- क्यों खास है टूटी झरना मंदिर?
- 24 घंटे बिना रुके होता है स्वत: जलाभिषेक
- मां गंगा की मूर्ति की नाभि से जलधारा का रहस्य
- बिना चलाए हैंडपंप से बहता रहता है पानी
- भीषण गर्मी में भी नहीं सूखते जल स्रोत
- श्रद्धालु इसे प्रसाद रूप में लेकर मानते हैं इसे चमत्कारी जल

झारखंड के रामगढ़ जिले में एक चमत्कारिक मंदिर स्थित है, जिसे लोग श्रद्धा से टूटी झरना शिव मंदिर के नाम से जानते हैं। यह मंदिर अपने आप में एक ऐसा अलौकिक स्थल है, जहां भगवान शिव के शिवलिंग पर स्वयं मां गंगा जलाभिषेक करती हैं। यह अद्भुत दृश्य साल के 12 महीने और दिन-रात 24 घंटे बिना रुके चलता रहता है।

मंदिर का इतिहास वर्ष 1925 से जुड़ा है। बताया जाता है कि उस समय अंग्रेज इस क्षेत्र में रेलवे लाइन बिछाने के लिए खुदाई करवा रहे थे। खुदाई के दौरान ज़मीन के भीतर एक गुम्बदनुमा आकृति दिखी। उत्सुकतावश जब खुदाई पूरी करवाई गई, तो वहां एक प्राचीन शिव मंदिर प्रकट हुआ। मंदिर के गर्भगृह में भगवान भोलेनाथ का शिवलिंग और ठीक ऊपर सफेद रंग की मां गंगा की प्रतिमा विद्यमान मिली, जिनकी नाभि से जल की एक धारा निरंतर बहती है और उनके दोनों हाथों की हथेलियों से होकर सीधे शिवलिंग पर गिरती है।

मां गंगा की रहस्यमयी जलधारा

मंदिर में यह रहस्य बना हुआ है कि यह जलधारा आखिर आती कहां से है। इस जलधारा को न तो किसी मशीन से जोड़ा गया है और न ही कोई पाइपलाइन दिखाई देती है, फिर भी यह प्राकृतिक रूप से लगातार बहती रहती है। यही नहीं, मंदिर परिसर में लगे दो हैंडपंप भी रहस्य का केंद्र बने हुए हैं — इन हैंडपंपों को चलाने की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि उनमें से अपने-आप पानी नीचे गिरता रहता है। हैरानी की बात यह है कि मंदिर के पास से बहने वाली नदी सालों से सूखी है, लेकिन भीषण गर्मी में भी इन हैंडपंपों का जल प्रवाह थमता नहीं।

श्रद्धा और आस्था का केंद्र

टूटी झरना मंदिर में देशभर से श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। उनका विश्वास है कि इस अद्भुत शिवलिंग और मां गंगा की जलधारा के दर्शन मात्र से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। भक्त शिवलिंग पर गिरने वाले जल को प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं और इसे घर ले जाकर अपने पूजास्थल पर रखते हैं। मान्यता है कि इस जल के प्रभाव से मानसिक शांति मिलती है और जीवन की कठिनाइयों से लड़ने की ऊर्जा प्राप्त होती है।रामगढ़ का टूटी झरना मंदिर न केवल आध्यात्मिक विश्वास का केंद्र है, बल्कि यह प्रकृति और आस्था के अद्भुत संगम का प्रतीक भी है। यह स्थान उन धार्मिक स्थलों में शामिल है, जहां विज्ञान भी सिर झुकाता है और श्रद्धा अपनी पूरी ऊंचाई पर दिखाई देती है। यदि आप भी जीवन में शांति और शक्ति की तलाश में हैं, तो एक बार टूटी झरना मंदिर के दर्शन अवश्य करें।

(स्वराज इंडिया धर्म अध्यात्म डेस्क)

चौधरी नरेंद्र सिंह की जयंती पर याद किए गए उनके आदर्श और किसान हितैषी नीतियां

परिवारवाद से दूर, गांव और किसानों के सच्चे हितैषी थे चौधरी नरेंद्र सिंह

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री और प्रखर किसान नेता स्वर्गीय चौधरी नरेंद्र सिंह की जयंती समारोह में वक्ताओं ने उनके जीवन दर्शन, दूरदृष्टि और किसानों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को याद किया। अपना मोर्चा के तत्वावधान में विवेकानंद विहार, जूही में आयोजित कार्यक्रम में अनेक वक्ताओं ने उनके संघर्षशील और सिद्धांतवादी राजनीतिक जीवन को प्रेरणादायी बताया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लायर्स एसोसिएशन घाटमपुर के पूर्व अध्यक्ष चौधरी बलवान सिंह ने कहा कि चौधरी नरेंद्र सिंह ने अपने सार्वजनिक जीवन में कभी परिवारवाद को बढ़ावा नहीं दिया। उन्होंने राजनीति की शुरुआत पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के साथ की और अलग-अलग दलों में रहकर किसानों, मजदूरों और नौजवानों की लड़ाई लड़ी। उन्होंने एक स्वतंत्र राजनीतिक पहचान बनाई और हमेशा जमीन से जुड़े मुद्दों पर डटे रहे।

माध्यमिक शिक्षक संघ (ठाकुरई गुट) के प्रदेश मंत्री धर्म प्रकाश आर्य ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि नरेंद्र सिंह ने युवाओं को नशे से दूर रखने और उन्हें खेलों से जोड़ने के लिए युवक मंगल दल की स्थापना की थी, जिसका पहला केंद्र मीनापुर गांव में बना। उन्होंने बताया कि नरेंद्र सिंह तीन दशक पहले ही यह भांप गए थे कि गांव और किसान किस सामाजिक और आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहे हैं।

चौधरी नरेंद्र सिंह के पैतृक गांव धरमगदपुर के निकट बरीपाल निवासी डॉ. भीम सिंह पटेल ने ऐतिहासिक प्रसंग साझा करते हुए बताया कि सजेती गांव में एक जनसभा के दौरान जब चौधरी चरण सिंह पहुंचे थे, तब उन्होंने नरेंद्र सिंह को किसानों की आवाज़ बनाने के लिए चुना था। उनका यह चयन बाद में सत्य साबित हुआ।

कार्यक्रम के संयोजक चौधरी बृजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि नरेंद्र सिंह ग्राम निर्माण और स्वावलंबन के मजबूत स्तंभ थे। महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के विचारों से प्रेरणा लेकर उन्होंने कृषि और ग्रामीण विकास को केंद्र में रखकर नीतियां बनाई थीं। खाद एवं रसद मंत्री के रूप में उन्होंने गांवों में अन्न उत्पादन के ऑडिट और ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने की पहल की।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के सेवानिवृत्त वित्त अधिकारी आर.के. वर्मा, अनूप दीक्षित, शेखर श्रीवास्तव, शिव दीक्षित, मनोज आर्य, आनंद सचान समेत 50 से अधिक लोग उपस्थित रहे।

कुर्मी महासभा द्वारा भी आयोजित किया कार्यक्रम

इसके साथ ही बर्रा स्थित रामगोपाल चौराहा के निकट कुर्मी महासभा द्वारा भी चौधरी नरेंद्र सिंह की जयंती पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। अधिवक्ता अनूप सचान ने इस अवसर पर कहा कि नरेंद्र सिंह जातिवाद और परिवारवाद से ऊपर सोचते थे और उन्होंने पूरे जीवन इस सोच को आगे बढ़ाया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे अपना मोर्चा के संयोजक बृजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि अब समय आ गया है जब शहरों में रहने वाले लोग भी गांव की जमीनों की जिम्मेदारी समझें और खेती की ओर ध्यान दें।

उन्होंने कहा कि दुनिया को जहरमुक्त खाद्य उत्पाद देने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए चौधरी नरेंद्र सिंह की नीतियों को अपनाना जरूरी होगा।

इस अवसर पर धर्मेंद्र उमराव समेत कई अन्य सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। समारोह में चौधरी नरेंद्र सिंह के सिद्धांतों और संघर्षों को नमन करते हुए उन्हें सच्चा जननेता बताया गया।

नशेड़ी चोर की करतूत: चोरी करके वहीं सो गया

प्रमुख संवाददातास्वराज इंडिया

कानपुर। नजीराबाद इलाके में चोरी का एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है, जिसने सभी को हैरत में डाल दिया। एक युवक ने रात में दो घरों में चोरी की और फिर उसी घर के बिस्तर पर सो गया। सुबह जब घरवालों की नींद खुली तो उन्हें चोर बिस्तर पर पड़ा मिला।

- **नशे में धुत था आरोपी,भाइयों के घर में तोड़ी अलमारी**
- **नींद खुली तो जेवरों के साथ बिस्तर पर पड़ा मिला चोर**

मामला मरियमपुर रेलवे लाइन क्षेत्र का है। फैक्ट्री में काम करने वाले विनोद कुमार और उनके भाई अनिल कुमार एक ही मोहल्ले में अगल-बगल रहते हैं। शनिवार देर रात मोहल्ले का ही रहने वाला अरुण कुमार नशे की हालत में पहले विनोद के घर घुसा और अलमारी का लाकर तोड़कर नकदी और जेवर चोरी किए। फिर वह अनिल के घर पहुंचा और वही हरकत दोहराई।हैरानी की बात यह रही कि चोरी के बाद वह अनिल के ही घर में बिस्तर पर सो गया। तड़के जब अनिल काम पर जाने के लिए उठे तो उन्होंने अरुण को अपने ही घर में सोते देखा। शक होने पर जब अलमारी देखी तो वह टूटी पड़ी थी। तलाशी लेने पर चोर की जेब से जेवर और नकदी भी बरामद हो गए।शोरगुल सुनकर घर की महिलाएं भी पहुंचीं। गुस्साए लोगों ने पहले तो चोर को पीटा, फिर नजीराबाद पुलिस को सौंप दिया। थाना प्रभारी राजकेसर ने बताया कि अरुण कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर चोरी गया माल बरामद कर उसे जेल भेज दिया गया है।

दीनू उपाध्याय मामलों में तीन आरोपियों को मिला अरेस्टिंग स्टे

» पुलिस की लापरवाही से काउंटर एफिडेविट में नई एफआईआर का जिक्र नहीं,

» ना ही घोषित इनाम का किया उल्लेख,

» पुलिस सहित सभी प्रतिवादियों को काउंटर एफिडेविट दाखिल करने के लिए चार हफ्ते का समय

मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। सिटी में दीनू उपाध्याय के खिलाफ कार्रवाई शुरू हुई तो तमाम पीड़ित सामने आए। शहर के विभिन्न थानों में एफआईआर का सिलसिला शुरू हुआ। तमाम गिरफ्तारियां भी हुईं। दक्षिण जोन के नौबस्ता थाने में भी दीनू उपाध्याय , सहयोगी अरिदमन सिंह और उसके रिश्तेदारों के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज हुई। इन दोनों ही मामलों में आरोपी अजमेरी सिद्दीकी अरिदमन सिंह के चचिया ससुर राम प्रताप और चचेरे साले राहुल सिंह को उच्च न्यायालय से अरेस्टिंग स्टे मिल गया है। मुकदमा अपराध संख्या 189/ 25 में जहां स्टे 18 जून को ही मिल गया था वहीं मुकदमा अपराध संख्या 205/25 में दिनांक 28 जुलाई को हाईकोर्ट ने इन तीनों की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी।

क्या बोले पीड़ित के अधिवक्ता

नौबस्ता थाने में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 205/25 के वादी कासिम रजा के अधिवक्ता एस.जेड.खान ने बताया कि अपने मुवक्किल का पक्ष उन्होंने रिट पिटीशन की सुनवाई के दौरान रखा।

जिसमें आरोपियों पर पुलिस द्वारा इनाम घोषित किए जाने और दूसरी एफआईआर 189/ 25 के वादी ब्रजराज सिंह द्वारा इन अभियुक्तों के खिलाफ एक और एफआईआर लिखवाने की जानकारी न्यायालय को दी। लेकिन रिट पिटीशन में अपीलकर्ता के अधिवक्ता ने इन तथ्यों की वैद्यता पर सवाल उठा दिए। जिस कारण फिलहाल गिरफ्तारी पर रोक का आदेश जारी हो गया।

अभी भी भूल सुधार का मौका

28 जुलाई के अपने आदेश में न्यायालय ने सभी प्रतिवादियों (पुलिस भी सम्मिलित) को चार हफ्ते में काउंटर एफिडेविट दाखिल करने का आदेश दिया है। अधिवक्ता एस.जेड. खान का कहना है यदि पुलिस सभी तथ्यों को अपने काउंटर एफिडेविट में शामिल करती है तो कोर्ट गिरफ्तारी पर रोक हटा भी सकती है।

पुलिस की भूल बनी आरोपियों की मददगार

अजमेरी सिद्दीकी, राहुल सिंह और रामप्रताप की ओर से दाखिल क्रिमिनल मिसलीनियस रिट पिटीशन संख्या 14327/25 में कानपुर पुलिस द्वारा दाखिल काउंटर एफिडेविट में की गई भूल अभियुक्त गणों की मददगार साबित हुई।

प्रतिवादी संख्या चार कासिम रजा के अधिवक्ता एस.जेड.खान का कहना है पुलिस द्वारा दाखिल किए गए एफिडेविट में ना तो आरोपियों पर पुलिस द्वारा घोषित किए गए इनाम का जिक्र था और ना ही उस एफआईआर का जिक्र था जो 189/25 के वादी ब्रजराज सिंह राजावत द्वारा आरोपियों द्वारा उन्हें धमकाने व मारपीट करने पर दर्ज कराई गई, उसका ही जिक्र था। यदि पुलिस इन दोनों तथ्यों को कोर्ट के सम्मुख रखती तो शायद गिरफ्तारी पर रोक मुश्किल हो जाती।

स्टे के बाद वादी ने दर्ज कराई थी धमकाने और मारपीट की रिपोर्ट

मुकदमा अपराध संख्या 189/25 के वादी ब्रजराज सिंह राजावत ने पुलिस कमिश्नर से गुहार लगाई थी कि आरोपी राम प्रताप, राहुल सिंह और अजमेरी सिद्दीकी ने उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस कमिश्नर के आदेश पर थाना नौबस्ता में इन तीनों के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 276/25 अंतर्गत धारा 115 (2) 351(2) बीएनएस दर्ज की गई।

अरेस्टिंग स्टे रिकॉल का नहीं हुआ प्रयास

मुकदमा अपराध संख्या 189/25 में हाई कोर्ट के गिरफ्तारी पर रोक वाले दिनांक 18 जून के आदेश में स्पष्ट है कि यदि अपीलकर्ता पुलिस जांच में सहयोग नहीं करें तो प्रतिवादी कोर्ट के समक्ष रिकॉल एप्लीकेशन फाइल कर सकते हैं। वादी मुकदमा ब्रजराज सिंह को धमकाने और मारपीट करने की जानकारी सामने आने के बाद भी पुलिस ने उक्त अरेस्टिंग स्टे आदेश के रिकॉल के लिए न्यायालय में कोई एप्लीकेशन फाइल नहीं की है और ना ही दूसरी रिट पिटिशन में दाखिल काउंटर एफिडेविट में इन तथ्यों का जिक्र किया है। हालांकि दोनों ही मामलों के विवेचक ने अरेस्टिंग स्टे से अनभिज्ञता जाहिर की और विवेचना प्रचलित होने का हवाला देकर इस संबंध में बात करने से इनकार किया।

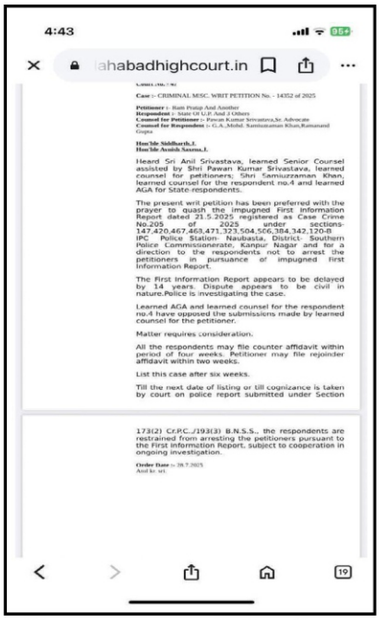

लखनऊ से वाया बिल्हौर इटावा तक बनेगा फोरलेन हाईवे, 35 करोड़ की पहली किश्त मंजूर

» मुख्यमंत्री की बैठक के बाद शासन ने दी मंजूरी, बिल्हौर से होकर गुजरेगा

» जल्द बदलेगी लखनऊ बिल्हौर इटावा राजमार्ग की तस्वीर

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। लखनऊ से इटावा तक फोरलेन हाईवे बनाने की बहुप्रतीक्षित योजना को आखिरकार मंजूरी मिल गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक के बाद वित्त व्यय समिति ने पहले चरण के लिए 35 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं। यह फंड भूमि अधिग्रहण और प्रारंभिक निर्माण कार्यों के लिए उपयोग में लाया जाएगा। यह नया हाईवे लखनऊ से मोहान, बिल्हौर और रसूलाबाद होते हुए इटावा तक जाएगा। कानपुर नगर सीमा से होकर इसका लगभग 14 किलोमीटर हिस्सा गुजरेगा।

हाईवे से क्या बदलेगा?

1-लखनऊ-इटावा के बीच मिलेगा वैकल्पिक व सुगम रास्ता
2-भारी वाहनों का दबाव जीटी रोड से घटेगा
3- बिल्हौर, ककवन, रसूलाबाद, बांगरमऊ जैसे कस्बों को मिलेगी बेहतर कनेक्टिविटी
4- बारिश में बाढ़ से प्रभावित इलाकों में ऊंची सड़क बनाकर राहत मिलेगी

खास खबर

अब तक यह मार्ग लिंक रोड के रूप में प्रयोग में आता था, जिसे अब फोरलेन राजमार्ग के रूप में विकसित किया जा रहा है।पीडब्ल्यूडी अधिकारी अखंडेश्वर प्रसाद ने बताया कि हाल ही में शासन को भेजे गए विकास प्रस्तावों में से यह पहला प्रोजेक्ट है जिसे बजट स्वीकृति प्राप्त हुई है।

यह हाईवे न केवल आम यात्रियों के लिए फायदेमंद होगा, बल्कि कृषि उत्पादों और औद्योगिक माल के परिवहन को भी सुगम बनाएगा। आसपास के कस्बों और गांवों में रहने वाले किसानों, व्यापारियों और ट्रांसपोर्टरों के लिए यह मार्ग विकास की नई लकीर खींचेगा। हालांकि लखनऊ से आगरा के बीच ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे पहले से मौजूद है, लेकिन जो वाहन बांगरमऊ, ककवन जैसे मध्य यूपी के रास्तों से आते-जाते हैं, उनके लिए यह नया फोरलेन हाईवे कहीं ज्यादा मुफीद साबित होगा।

स्वराज इंडिया
Swaraj India
07 Jun 2025 - Page 4
बिल्हौर- इटावा- लखनऊ राजमार्ग होगा दस मीटर चौड़ा
» मार्ग में आने वाले कस्बों में बढ़ेगी विकास की रफ्तार
» लोक निर्माण विभाग जल्द शुरू करेगा सड़क चौड़ीकरण का कार्य
स्वराज इंडिया ने पहले ही खबर प्रकाशित कर जताई थी संभावना।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

गांव लौटा बेटा,चार दिन बाद मौत को लगाया गले

» सूरत से लौटा था युवक, नीम के पेड़ से फांसी लगाकर की आत्महत्या

पुलिस जुटी जांच में, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद खुल सकेगा मौत का राज

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात (शिवली)। शिवली कोतवाली क्षेत्र के औगी गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है।

गांव निवासी देबी प्रसाद (22) ने घर के बाहर खड़े नीम के पेड़ में साड़ी से फांसी लगाकर जान दे दी।

मृतक कुछ ही दिन पहले गुजरात के सूरत से गांव लौटा था, जहां वह प्राइवेट नौकरी करता था। परिजनों के अनुसार, वह लौटने के बाद से बेहद चुप और परेशान दिख रहा था। बीती रात उसने आत्मघाती कदम उठाया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

घटना की जानकारी सुबह होते ही परिजनों को हुई तो घर में कोहराम मच गया। मां राम जानकी बदहवास हो गईं। भाइयों विनय और विकास तथा बहनों नीलम और रजनी का रो-रोकर बुरा हाल है।

मैथा चौकी प्रभारी तत्काल मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। शिवली कोतवाल प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि परिजन किसी स्पष्ट कारण की पुष्टि नहीं कर सके हैं। पुलिस आत्महत्या के पीछे की वजह जानने की कोशिश कर रही है। आगे की कार्रवाई पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद की जाएगी।

व्यापारियों की एकजुटता पर जोर, गजनेर में व्यापार मंडल की बैठक सम्पन्न

उत्पीड़न नहीं सहेंगे, व्यापारियों की आवाज बनेंगे : नीरज गुप्ता

नए पदाधिकारियों को दायित्व, प्रमाण पत्र वितरित किए गए

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात, माती।गजनेर कस्बे में रविवार को उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल की पुनर्गठन बैठक नगर अध्यक्ष नीरज गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में व्यापारियों की एकता को लेकर जोरदार मंथन हुआ और संगठन को मजबूत करने की रणनीति बनाई गई।नीरज गुप्ता ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि, मेरा प्रथम दायित्व है कि किसी भी व्यापारी का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। व्यापारी एकजुट रहेंगे और हम सब उनकी आवाज बनेंगे। इसी क्रम में नए पदाधिकारियों को दायित्व सौंपे गए और प्रमाण पत्र वितरण कर सम्मानित किया गया।

बैठक में विशेष रूप से जिले से आए जिलाध्यक्ष आशीष गुप्ता के साथ पीयूष कौशल, अनूप कुमार, प्रशांत कुमार, अविनाश उमर, अशोक चौहान, नितेश गुप्ता, किशोर गुप्ता, दुर्गेश शर्मा, दुर्गेश दीक्षित, संतोष सिंह चौहान (जिला कोषाध्यक्ष) सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल रहे।

नगर कमेटी से दीपू परिहार, राजेश चौहान, समरजीत सिंह चौहान, बाल मुकुंद शुक्ला, नौशाद खान, शिवा कौशल, सतीश सिंह चौहान, और सोनू शुक्ला जैसे कई सक्रिय सदस्य उपस्थित रहे। संचालन और मीडिया समन्वय की जिम्मेदारी कौशल कुशवाहा और अन्य सदस्यों ने निभाई।

बिना मान्यता के स्कूलों की मौज, विभाग का सिस्टम फेल

» नोटिस के बावजूद बिना मान्यता के स्कूलों का संचालन जारी, बच्चों के भविष्य से खिलवाड़

» नाम न छापने की शर्त पर खुलासा पैसे के बदले बचते हैं फर्जी स्कूल

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात (माती)। मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री के आदेशों के बावजूद जिले में बिना मान्यता के स्कूल खुलेआम संचालित हो रहे हैं। शिक्षा विभाग की कार्रवाई महज़ नोटिस जारी करने तक सीमित है, जिसका न स्कूल संचालकों पर असर हो रहा है और न ही बच्चों के भविष्य की कोई परवाह दिख रही है।

सरवनखेड़ा ब्लॉक में हाल ही में एक दर्जन अवैध स्कूलों को अंतिम नोटिस जारी करते हुए तीन दिन में जवाब तलब किया गया था, लेकिन हकीकत यह है कि ये स्कूल अब भी धड़ल्ले से चल रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह नोटिस केवल औपचारिकता भर हैं। नाम न छापने की शर्त पर एक विद्यालय संचालक ने बताया कि समय पर 'संपर्क' न होने पर ही विभाग हरकत में आता है।

रानियाँ कस्बे में एक बिना मान्यता वाला स्कूल बंद तो कराया गया, लेकिन चार सौ बच्चों का भविष्य अधर में लटक गया। अभिभावकों पर दोहरी मार पड़ी न शिक्षा मिली, न पैसा वापस।

शखंड शिक्षा अधिकारी अजीत प्रताप सिंह ने कहा था कि नोटिस के बाद स्कूल बंद कर जुर्माना लगाया जाएगा, लेकिन जमीनी कार्रवाई नदारद है। वहीं, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा से संपर्क नहीं हो सका। अब सवाल यह है क्या ये फर्जी स्कूल ऐसे ही चलते रहेंगे या बच्चों के भविष्य को बचाने के लिए वाकई कोई ठोस कार्रवाई होगी?

महादेवा मेला परिसर में करंट लगने से दो की मौत, मचा हड़कंप

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रामनगर (बाराबंकी)। महादेवा मेला परिसर में रविवार दोपहर करंट लगने से दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जिससे पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। मृतकों में एक दुकानदार और दूसरा उसका परिचित शामिल है। घटना के बाद पुलिस व प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की।

जानकारी के अनुसार, थाना मसौली क्षेत्र के गुलहरिया निवासी हौसला पुत्र दशरथ, महादेवा मेला परिसर में स्थित शालू स्टूडियो पर अपने परिचित संजय पुत्र नन्हे (निवासी हरिजन बस्ती, गोबरहा, थाना रामनगर) से मिलने आया था। संजय ने लोधेश्वर महादेवा मेले में उमेश पुत्र कन्हैयालाल की मार्केट में किराए पर फोटो स्टूडियो खोल रखा था।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, रविवार दोपहर लगभग 3 बजे हौसला जैसे ही लोहे की सीढ़ी के सहारे नीचे उतरा और पानी में पैर रखा, तभी वह करंट की चपेट में आ गया। उसे बचाने के लिए संजय भी दौड़ा लेकिन वह भी करंट की चपेट में आ गया। देखते ही देखते दोनों अचेत हो गए। घटना से मेले में हड़कंप मच गया।

मौके पर मौजूद अन्य दुकानदारों ने तुरंत विद्युत विभाग को सूचना देकर बिजली सप्लाई बंद कराई और पुलिस को सूचित किया। दोनों घायलों को तत्काल सीएचसी रामनगर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी, उपजिलाधिकारी गुंजिता अग्रवाल, क्षेत्राधिकारी गरिमा पंत, तहसीलदार विपुल कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार पांडेय, नायब तहसीलदार विजय प्रकाश तिवारी और चौकी प्रभारी संतोष कुमार त्रिपाठी मौके पर पहुंचे।

अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर दुकानदारों के बयान दर्ज किए।

घटना से स्थानीय लोगों और दुकानदारों में शोक और आक्रोश का माहौल है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस दर्दनाक हादसे ने मेले की खुशियों को मातम में बदल दिया।

सावन के अंतिम सोमवार पर अवसानेश्वर धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी, हैदरगढ़। सावन के चौथे और अंतिम सोमवार को बाराबंकी जिले के पौराणिक अवसानेश्वर महादेव मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। रिमझिम बारिश के बीच लाखों शिवभक्तों ने बाबा भोलेनाथ के दर्शन व जलाभिषेक कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। इस दौरान श्रद्धालु उस समय आश्चर्यचकित रह गए जब मंदिर परिसर में हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गई।

हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा का यह अद्वितीय दृश्य श्रद्धालुओं के लिए अविस्मरणीय बन गया। अपर जिलाधिकारी अरुण कुमार और अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी रितेश कुमार सिंह ने आसमान से पुष्प बरसाकर भगवान भोलेनाथ के भक्तों का स्वागत किया। बारिश और भीड़ के बावजूद लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। मंदिर परिसर हर-हर महादेव और जय श्री योगी के जयकारों से गूंज उठा।

पौराणिक मान्यता के अनुसार, अवसानेश्वर महादेव मंदिर वह स्थल है जहां स्वयं भगवान शिव ने शिवलिंग की स्थापना की थी। यह स्थान देवताओं की तपोभूमि भी रहा है। सावन के महीने में यहां जलाभिषेक विशेष फलदायी माना जाता है, इसी कारण दूर-दराज़ से श्रद्धालु यहां दर्शन को पहुंचते हैं।पुष्पवर्षा के दौरान हैदरगढ़ विधायक दिनेश रावत भी मंदिर में मौजूद रहे। उनके आगमन पर समर्थकों और भक्तों ने विधायक दिनेश रावत जिंदाबाद के साथ-साथ योगी आदित्यनाथ जिंदाबाद के नारे लगाकर माहौल को और भक्तिमय बना दिया।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने चाक-चौबंद व्यवस्था की थी। सुरक्षा, चिकित्सा, पेयजल, पार्किंग और मार्ग संचालन सहित हर व्यवस्था पर अधिकारियों ने स्वयं निगरानी रखी। किसी भी श्रद्धालु को कोई असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा गया।

अवसानेश्वर धाम में सावन के अंतिम सोमवार को भक्ति, व्यवस्था और श्रद्धा का ऐसा संगम लंबे समय तक लोगों के स्मृति-पटल पर अंकित रहेगा।

लोधेश्वर धाम में श्रावण के अंतिम सोमवार पर उमड़ा आस्था का सैलाब

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रामनगर (बाराबंकी)।श्रावण मास के अंतिम सोमवार पर लोधेश्वर महादेव धाम में शिवभक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। तेज बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ। रविवार रात से ही भक्त जल, फल, फूल और बेलपत्र लेकर दर्शन-पूजन के लिए कतार में लगे रहे। मध्यरात्रि जैसे ही कपाट खुले, हर-हर महादेव के जयकारों के साथ जलाभिषेक शुरू हुआ।कानपुर, उरई, झांसी, सीतापुर, बहराइच समेत दूर-दराज़ से आए श्रद्धालु रैन बसेरों में ठहरे और भजन-कीर्तन में लीन रहे। मूसलाधार बारिश के चलते कई स्थानों पर जलभराव हुआ जिससे श्रद्धालुओं को असुविधा भी हुई।जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी व पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने लोधेश्वर धाम पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। प्रशासन द्वारा सुरक्षा, चिकित्सा व अन्य जरूरी इंतजाम किए गए थे। अधिकारीगण लगातार भ्रमणशील रहकर व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर रहे थे।

शिक्षा के मंदिर में भ्रष्टाचार की दीवार

» साकेत महाविद्यालय में बड़ा उलटफेर

» भ्रष्टाचार के आरोपों में दीप कृष्ण वर्मा अध्यक्ष पद से बर्खास्त

स्वराज इंडिया ब्यूरो

अयोध्या। शिक्षा की गरिमा को कलंकित करने वाले एक बड़े घटनाक्रम में साकेत महाविद्यालय प्रबंध समिति ने अपने अध्यक्ष दीप कृष्ण वर्मा को पद से हटा दिया है। उनकी जगह आलोक बंसल को नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सूत्रों के अनुसार, यही अंत नहीं है दीप कृष्ण वर्मा को प्राथमिक सदस्यता और साधारण सभा से भी बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है।

FOLLOW UP

बता दें कि यह कार्रवाई कोई सामान्य प्रशासनिक बदलाव नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों की पृष्ठभूमि में हुई है।

प्रबंध समिति द्वारा गठित जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में दीप कृष्ण वर्मा

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com अयोध्या कानपुर रविवार 26 जुलाई, 2025 11

साकेत महाविद्यालय में प्रमोशन के बदले वसूली का पर्दाफाश

शिक्षक बोले काम नहीं हुआ तो पैसा लौटा दिया, वीडियो रिकॉर्डिंग में कबूलनामे दर्ज

कि उनसे वेतनवृद्धि के बदले 2 लाख की वसूली हुई थी। डॉ. जितेन्द्र पाण्डेय के माध्यम से यह राशि अध्यक्ष को दी गई थी। बाद में जब कार्य नहीं हुआ और मामला खुलने लगा, तो पैसा लौटाया गया।

वेतनमान बढ़ाने की भी कीमत

राजेश मिश्र नामक कर्मचारी को अनीकृत वेतनमान देने के एवज में अध्यक्ष द्वारा ₹15,000 की मांग की गई थी, जिसे संबंधित कर्मचारियों ने वसूलकर अध्यक्ष को पहुंचाया। 30 मई 2025 को गठित समिति ने विस्तृत जांच के बाद अपनी आख्या पत्रांक सं.5.10053 दिनांक 23 जून 2025 को प्रस्तुत की।

वीडियो में दर्ज बयानों ने खोली पोल

सभी बयान लिखित रूप में लिए गए और वीडियो रिकॉर्डिंग के जरिए सुरक्षित किए गए। कई शिक्षकों ने कैमरे पर यह भी कहा कि काम न होने पर पैसा लौटा दिया गया। जिस संस्था में ज्ञान का प्रकाश फैलाया जाता है, वहां अब पैसों की बोली लग रही है। सवाल यह है कि क्या अब प्रमोशन के लिए परिश्रम नहीं, पैसा चाहिए? और क्या यह शिक्षा व्यवस्था की दीवारों में लग चुका दीमक है?

शिक्षक गरिमा पर चोट!

को लगभग सभी आरोपों में दोषी माना है। इन आरोपों में वित्तीय अनियमितता, पद के दुरुपयोग और ट्रस्ट से जुड़े फंड में गड़बड़ी शामिल हैं।विश्वस्त सूत्रों का कहना है कि बीते दिन समिति की विशेष बैठक में जांच रिपोर्ट को सामने रखकर यह फैसला सर्वसम्मति से लिया गया। अब समिति की नजर उनके खिलाफ अन्य कानूनी कार्रवाई की दिशा में भी बढ़ रही है। सवाल यह है कि क्या साकेत महाविद्यालय जैसी प्रतिष्ठित संस्था में शिक्षा से ज्यादा सत्ता की राजनीति हावी हो चुकी है? दीप कृष्ण वर्मा का नाम पहले भी कई विवादों में उछल चुका है, लेकिन पहली बार उनके खिलाफ समिति ने इतनी सख्त कार्रवाई की है।अब देखना यह है कि यह बर्खास्तगी एक न्यायिक शुरुआत है या राजनीतिक नाटक का अगला परदा।

अयोध्या में 'जल निकासी' नहीं, 'भ्रष्टाचार निकासी' हो रही है

» नाले पर दीवार बना प्राधिकरण ने रोका रास्ता

भ्रष्टाचार का नाला, जवाबदेही का सूखा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। भारी बारिश के बाद लाला लाजपत नगर, गद्दोपुर, पैगापुर, मझवा और आसपास के इलाकों में हालात किसी जल प्रलय से कम नहीं हैं। विकास प्राधिकरण द्वारा बनाए गए नाले की दीवार ने मानो अयोध्या के लोगों को बता दिया कि यह शहर विकास नहीं, सिर्फ योजना पुस्तिकाओं में चमक रहा है।लाला लाजपत नगर वार्ड में पानी घरों में घुस चुका है, लोग सड़कों पर हैं और प्रशासनिक संवेदनशीलता गहरे पानी में तैरती नहीं, डूब चुकी है। जब अयोध्या विकास प्राधिकरण के अधिकारी मौके पर पहुंचे, तो स्थानीय नागरिकों ने खुलकर नाराजगी जताई।

नाला बना, मगर बहाव नहीं मिला

प्राधिकरण ने जिस नाले का निर्माण कराया, उसमें पानी निकलने का रास्ता था ही नहीं। नाले के मुहाने पर दीवार बना दी गई, जैसे कोई छुपा खजाना हो। नतीजा यह हुआ कि बारिश का पानी गली-मोहल्लों में भर गया और लोग नाले की दीवार तोड़ने को मजबूर हो गए, ताकि पानी किसी तरफ बहे।

फेल हुआ सिस्टम, फंसी जनता

सालों से हर मानसून में जलभराव की स्थिति बनती रही है। नगर निगम और विकास प्राधिकरण करोड़ों खर्च कर चुके, लेकिन समाधान आज तक नहीं निकला। तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि किस तरह नाले के सामने दीवार खड़ी कर दी गई है, मानो विकास कार्य नहीं, कोई मज़ाक चल रहा हो। यह जलभराव नहीं, भ्रष्टाचार का बाढ़ है। योजनाएं बनीं, फंड आए, निर्माण हुआ लेकिन सब खानापूर्ति और कमीशनखोरी की भेंट चढ़ गया।

अब सवाल यह है कि

-क्या कोई अधिकारी इस निर्माण खामी की जिम्मेदारी लेगा?-क्या ये दीवारें किसी के खिलाफ चार्जशीट बनेंगी? या फिर हर साल की तरह जनता तैरती रहेगी, व्यवस्था बहती रहेगी?

जिंगल बेल स्कूल नहीं मानता डीएम का फरमान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।जिले में जारी मूसलाधार बारिश और जलभराव को देखते हुए जिलाधिकारी अयोध्या द्वारा जनपद के सभी स्कूलों को बंद करने का स्पष्ट आदेश जारी किया गया। मगर सिविल लाइन स्थित जिंगल बेल अकैडमी ने इस आदेश की खुलेआम अवहेलना की, और स्कूल को न सिर्फ खोले रखा, बल्कि बच्चों को खतरनाक हालात में आने को मजबूर भी किया।स्कूल के चारों ओर पानी भरा हुआ है, बच्चे तखतों और अस्थायी पुलों के सहारे स्कूल पहुंचने को विवश हैं। यह दृश्य किसी आपदा क्षेत्र का नहीं, बल्कि प्रशासन के आँखों के सामने चल रहे एक संवेदनहीन और अहंकारी तंत्र का जीता-जागता उदाहरण है।

अधिकारियों के बच्चों की ढाल बना स्कूल

सूत्र बताते हैं कि इस स्कूल में कई उच्चाधिकारियों के बच्चे पढ़ते हैं, जिस कारण यह विद्यालय हमेशा से प्रशासनिक आदेशों को ताक पर रखता रहा है। पहले भी कई बार यह स्कूल नियमों की अवहेलना में चर्चा में रहा है, लेकिन हर बार कार्रवाई से बच निकलता है।

भीषण बारिश, जलभराव और स्कूल तक पहुंचने के रास्तों में कीचड़ व फिसलन के बावजूद स्कूल प्रबंधन ने न तो छुट्टी की घोषणा की, न ही बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी। अभिभावक भयभीत हैं, मगर मजबूर भी।

सवालों के घेरे में प्रशासन

क्या जिलाधिकारी का आदेश सिर्फ कागज़ों तक सीमित है? क्या जिंगल बेल अकैडमी जैसे स्कूल 'वीआईपी छतरी' के नीचे खुद को कानून से ऊपर मानते हैं?

स्कूल बंद है-जेबीए प्रबंधन

जब इस संबंध में जेबीए प्रबंधन से बात करने के लिए फोन किया गया तो फोन नही उठा। कुछ देर बाद परमानन्द जी ने व्हाट्सएप मैसेज पर बताया गया कि स्कूल बंद है। लेकिन अभिभावकों का कहना है कि 1 से 5 तक का स्कूल बंद है जबकि 6 से 12 तक खुला है। अगर स्कूल बंद है तो 12 बजे तक बच्चे घर क्यों नही पहुंचे।

हॉटस्पॉट बने महाराष्ट्र-यूपी

भारत में चार साल में 4 गुना बढ़ गए साइबर हमले

नई दिल्ली। डिजिटल इंडिया के इस दौर में साइबर क्राइम के मामलों में बहुत तेजी से उछाल देखने को मिल रहा है। गृह मंत्रालय ने संसद में पेश आंकड़ों से साफ कर दिया है कि साइबर अपराधों का ग्राफ आसमान छू रहा है। बीते चार सालों में ऑनलाइन फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट, सेक्सटॉर्शन और साइबर अटैक जैसे मामलों में 401 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। साल 2021 में करीब 4.5 लाख साइबर क्राइम के केस दर्ज हुए थे।

साल 2024 तक यह आंकड़ा बढ़कर 22 लाख से ज्यादा पहुंच गया। यानी साइबर क्राइम के मामलों में चार गुना से भी ज्यादा उछाल आया है। ये आंकड़ा यहीं नहीं रुका। साल 2025 के आधे साल खत्म होते-होते ही 30 जून तक 12 लाख से ज्यादा मामले दर्ज किए जा चुके हैं। साइबर क्राइम के केस में महाराष्ट्र और यूपी सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य हैं।

तेल ही नहीं, यूएस से एलपीजी-एलएनजी खूब खरीद रहा भारत

फिर क्यों लगाया 25% टैरिफ

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के कुल कच्चे तेल के आयात में अमेरिका की हिस्सेदारी 3 प्रतिशत से बढ़कर 8 प्रतिशत हो गई है। जुलाई 2025 में ही भारत के तेल आयात में 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

अमेरिका ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। हालांकि फिलहाल इस पर ट्रंप ने रोक लगाई है। लेकिन दोनों देशों के बीच फिलहाल इस मुद्दे पर सुलह होती नजर नहीं आ रही है। इसके अलावा रूस से कच्चे तेल और हथियार खरीदने को लेकर भी अमेरिका ने जुर्माना लगाया था। इस बीच दोनों देशों के बीच कच्चे तेल की खरीद को लेकर चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। दुनिया में चल रहे टैरिफवॉर के बीच भारत ने अमेरिका से ज्यादा कच्चा तेल खरीदा है।

आंकड़ों की मानें तो भारत के कुल कच्चे तेल के आयात में अमेरिका की हिस्सेदारी 3 प्रतिशत से बढ़कर 8 प्रतिशत हो गई है। सिर्फ जुलाई 2025 में ही भारत के तेल आयात में 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भारत ने 2025 के पहले 6 महीनों में अमेरिका से कच्चे तेल के आयात में 51 प्रतिशत की वृद्धि की है। यह वृद्धि अचानक हुई है या नियोजित यह भी काफी हैरान करने वाला है। अप्रैल और जून की तिमाही में तो यह वृद्धि बढ़कर 114 प्रतिशत पर पहुंच गई है।

रूस तेल पर देता है छूट : भारत ने पिछले 6 महीनों में अमेरिका से प्रतिदिन 2.71 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदा है। जबकि इसी अवधि के दौरान 2024 में यह 1.80 लाख बैरल प्रतिदिन था। इतना ही नहीं भारत ने अमेरिका ने एलपीजी और एलएनजी का आयात भी दोगुना कर दिया है। भारत को रूस से तेल खरीदना सस्ता पड़ता है क्योंकि रूस तेल पर छूट देता है।

ट्रंप ने दी अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी : चालू वित्त वर्ष में भारत का एलएनजी आयात लगभग दोगुना होकर 2.46 अरब डॉलर हो गया है। एक ओर ट्रंप लगातार भारत की व्यापारिक नीतियों को लेकर आलोचना कर रहे हैं। तो वहीं दूसरी ओर हमारी ऊर्जा कंपनियां लगातार अमेरिका से कच्चे तेल की खरीद को बढ़ा रही है। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ब्रिक्स देशों पर 10% अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी दे चुके हैं।

भारत का संबंध मजबूत करने पर जोर : अमेरिका की ओर से की गई हालिया बयानबाजी के बावजूद, भारत सरकार यूएस के साथ द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती पर लगातार जोर दे रही है।

कार्रवाई

लखनऊ विवि के प्रो. रविकांत को बागेश्वर धाम पर टिप्पणी करना पड़ा भारी

प्रोफेसर पर एफआईआर, छतरपुर में मामला दर्ज

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

छतरपुर (मध्य प्रदेश)। बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को लेकर विवादित टिप्पणी करना लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रविकांत को भारी पड़ गया है। छतरपुर जिले के बमीठा थाना में प्रोफेसर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मामला सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किए गए एक वीडियो और टिप्पणी से जुड़ा है, जिसमें प्रोफेसर ने शास्त्री पर गंभीर आरोप लगाए थे।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, कुछ दिन पहले छतरपुर पुलिस ने एक एम्बुलेंस को रोका, जिसमें कुछ महिलाएं सवार थीं। पूछताछ में सामने आया कि वे महिलाएं बागेश्वर धाम में रह रही थीं और अपनी असली पहचान छुपाकर कथित अनैतिक गतिविधियों में संलिप्त थीं। यह वीडियो

सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

इसी वीडियो के हवाले से प्रोफेसर रविकांत ने अपने 'एक्स' हैंडल पर टिप्पणी करते हुए लिखा, 'नॉन बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित छोटा भाई धीरेन्द्र शास्त्री धर्म की आड़ में महिला तस्करी कर रहा है!' – इस कथन ने नया विवाद खड़ा कर दिया।

बागेश्वर धाम समिति के सदस्य धीरेंद्र कुमार गौर की शिकायत पर बमीठा थाना में प्रोफेसर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 353(2) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। गौर का आरोप है कि प्रोफेसर की टिप्पणी न केवल हिंदू धर्म के अनुयायियों की भावनाओं को ठेस पहुंचाती है, बल्कि इससे धार्मिक सौहार्द भी प्रभावित हुआ है।

क्या है धारा 353(2), बीएनएस? : इस धारा के तहत यदि कोई व्यक्ति सार्वजनिक रूप से किसी धर्म या धार्मिक समूह के खिलाफ उकसावे या अपमानजनक टिप्पणी करता है जिससे शांति भंग होने की आशंका हो, तो यह दंडनीय अपराध माना जाता है।

विवाद और राजनीति का संगम : बागेश्वर धाम के महंत धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पहले भी विवादों में रहे हैं, लेकिन इस बार मामला धार्मिक आस्था और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बीच की टकराहट को लेकर है। प्रोफेसर रविकांत पहले भी कई सामाजिक मुद्दों पर अपनी बेबाक राय रखते आए हैं, और उनके खिलाफपूर्व में भी विवाद हो चुके हैं।

फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है और सोशल मीडिया पर भड़काऊ या असत्यापित सामग्री पोस्ट करने को लेकर भी सतर्कता बरतने की अपील की गई है।

चुनाव आयोग ने भेजा नोटिस

तेजस्वी यादव के पास दो वोटर आईडी कार्ड?

पटना। बिहार में एसआईआर (सर) के बाद जारी वोटर ड्राफ्ट रोल में नाम नहीं होने का आरोप तेजस्वी यादव ने लगाया था। अब चुनाव आयोग ने तेजस्वी यादव को नोटिस जारी कर उनके द्वारा दिखाए गए एपिक नंबर की जांच की जरूरत बताई है। निर्वाचन आयोग ने बिहार के नेता विपक्ष तेजस्वी यादव को नोटिस जारी किया है। चुनाव आयोग ने तेजस्वी यादव को पत्र लिखकर एपिक कार्ड का विवरण और ओरिजिनल कॉपी की मांग की है। ताकि यह जांच हो सके कि तेजस्वी के दो एपिक नंबर कैसे है?